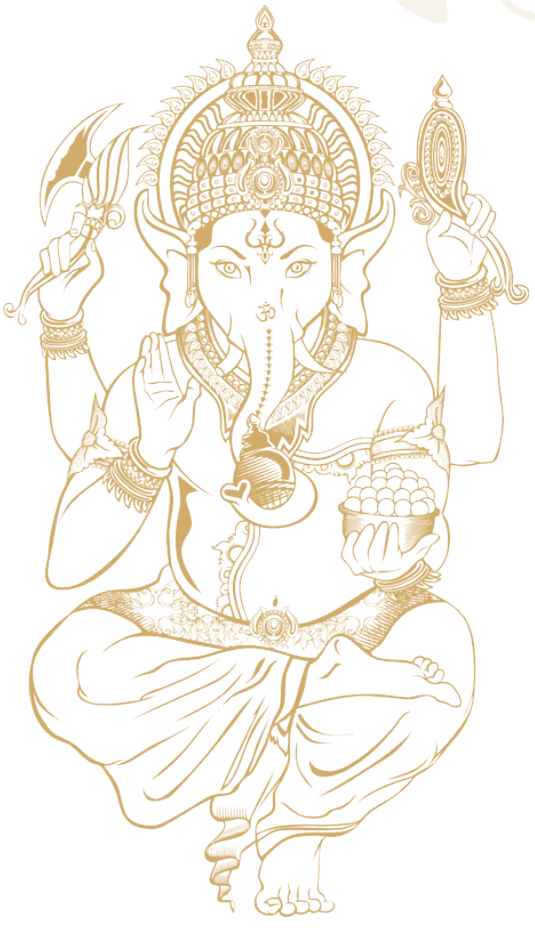

Mr Vikash Mishra

Ms Tanu Pandey

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121017104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/04/1998	जन्म तिथि	20/01/2002
शुक्रवार	दिन	रविवार
घंटे 09:16:00	जन्म समय	21:25:00 घंटे
घटी 08:45:50	जन्म समय(घटी)	36:27:16 घटी
India	देश	India
Allahabad	स्थान	Allahabad
25:27:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
81:50:00 पूर्व	रेखांश	81:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:02:40	स्थानिक संस्कार	-00:02:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:40	सूर्योदय	06:50:05
18:22:56	सूर्यास्त	17:37:25
23:49:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:53

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 1वर्ष 4मा 5दि	25:16:53	वृष	लग्न	सिंह	27:29:01	बुध 6वर्ष 10मा 4दि
राहु	26:14:59	मीन	सूर्य	मक	06:32:16	शुक्र
15/08/2016	07:00:08	कन्या	चंद्र	मीन	24:37:54	25/11/2015
15/08/2034	04:00:30	मेष	मंगल	मीन	07:21:51	25/11/2035
राहु 28/04/2019	20:08:16	मीन व	बुध व	मक	20:17:31	शुक्र 27/03/2019
गुरु 21/09/2021	21:23:42	कुंभ	गुरु व	मिथु	14:14:54	सूर्य 26/03/2020
शनि 28/07/2024	10:16:40	कुंभ	शुक्र	मक	08:00:57	चन्द्र 25/11/2021
बुध 14/02/2027	29:05:37	मीन	शनि व	वृष	14:27:57	मंगल 25/01/2023
केतु 04/03/2028	16:16:34	सिंह व	राहु व	मिथु	02:41:05	राहु 25/01/2026
शुक्र 04/03/2031	16:16:34	कुंभ व	केतु व	धनु	02:41:05	गुरु 25/09/2028
सूर्य 27/01/2032	18:20:28	मक	हर्ष	मक	29:34:27	शनि 25/11/2031
चन्द्र 28/07/2033	08:10:12	मक	नेप	मक	14:16:48	बुध 25/09/2034
मंगल 15/08/2034	13:59:14	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:48:27	केतु 25/11/2035

लग्न-चलित

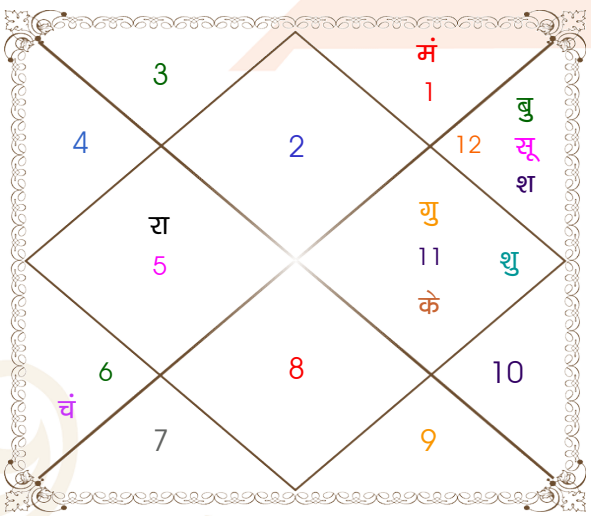

लग्न-चलित

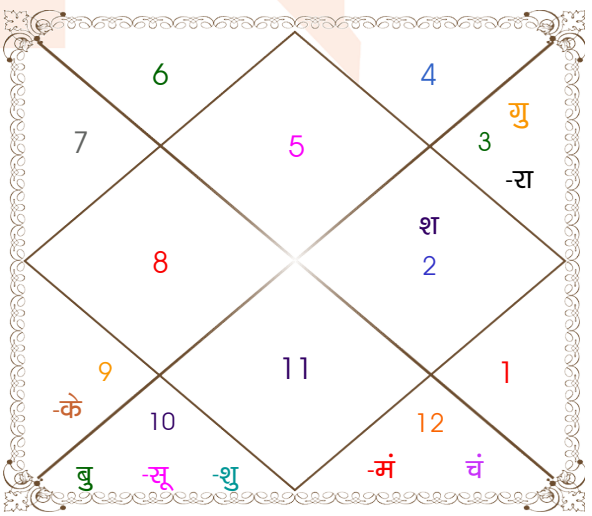

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

डत टपाी डपीतं का वर्ग मूषक है तथा डे ज्दन च्दकमल का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डत टपाी डपीतं और डे ज्दन च्दकमल का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डत टपाी डपीतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डत टपाी डपीतं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डे ज्दन च्दकमल मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डे ज्दन च्दकमल कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डे ज्ंदन च्ंदकमल कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डे ज्ंदन च्ंदकमल कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डत टपाौ डपीतं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डत टपाौ डपीतं तथा डे ज्ंदन च्ंदकमल में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।